# Pt. Ravishankar Shukla University,
## Raipur (C.G.), India 492010

## CURRICULUM & Syllabus

### M.A. History
**Previous**

### Annual

### Session- 2025-26

| | | |
|---|---|---|
| Approved by | : | |
| Board of Studies | : | **History (Subject Name )** |
| Dates | : | **15.05.2025** |
| Name of Chairman | : | **Dr. Hemwati Thakur** 15.05.2025 |
| Name of Member's | : | **Dr. Poonam Singh** P. Singh 15/05/25 |
| | | **Smt. Amita Bisen** 15.05.25 |
| | | **Dr. D. N. Khute** |
| | | **Dr. Banso Nuruti** 15/5/25 |

# पं. रविशकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर छ.ग.
## एम.ए.पूर्व (इतिहास)
## वार्षिकी पद्धति
## सत्र–2025–26

**नोटः–** तीन अनिवार्य प्रश्न पत्रों के अतिरिक्त परीक्षार्थियों को वैकल्पिक अ एवं ब में से कोई एक वैकल्पिक प्रश्न पत्र चयन करना होगा। प्रत्येक प्रश्न पत्र 100–100 अंकों के होंगे।

| क्र. प्रश्न पत्र | प्रश्नपत्र का नाम | पेपर कोड | प्रोग्राम कोड | पूर्णांक |
|---|---|---|---|---|
| | **अनिवार्य प्रश्नपत्र** | | | |
| 1. प्रथम प्रश्नपत्र | इतिहास पद्धति एवं इतिहास लेखन | M.A.HIS-020132 | M.A.HIS-0201 | 100 |
| 2. द्वितीय प्रश्नपत्र | बीसवीं शताब्दी का विश्व | M.A.HIS-020133 | M.A.HIS-0201 | 100 |
| 3.तृतीय प्रश्नपत्र | छत्तीसगढ़ का इतिहास | M.A.HIS-020134 | M.A.HIS-0201 | 100 |
| | **वैकल्पिक प्रश्नपत्र** | | | |
| 4. चतुर्थ प्रश्नपत्र<br>वैकल्पिक (अ) | वैकल्पिक (अ)<br>ग्रेट ब्रिटेन का इतिहास<br>(1875–1945) | M.A.HIS-020135 | M.A.HIS-0201 | 100 |
| वैकल्पिक (द) | वैकल्पिक (द)<br>भारतीय इतिहास में नारी | M.A.HIS-020136 | M.A.HIS-0201 | 100 |

15-5-25 15/05/25 15.05.25 15/5/25–15-05-2025

# एम.ए.पूर्व (इतिहास), वार्षिकी पद्धति, सत्र–2025–26
## प्रथम प्रश्न पत्र (अनिवार्य)
## इतिहास पद्धति एवं इतिहास लेखन
## (पेपर कोड– M.A.HIS-020132) प्रोग्राम कोड– M.A.HIS-0201

## कार्यक्रम के परिणाम

इतिहास हमें दुनिया की बेहतर समझ विकसित करने में मदद करता है। इसकी समझ के बिना आप अपने जीवन को आधार बनाने के लिए एक ढांचा नही बना सकते । इतिहास हमें इस बात की विस्तृत चित्रण प्रस्तत करता है कि कैसे समाज प्रौद्यिगिकी और सरकार ने बहुत पहले काम किया ताकि हम बेहतर तरीके से समझ सकें कि कैसे यह कार्य करता है।

### इकाई–1

1. इतिहास का अर्थ, परिभाषा एवं विस्तार सामग्री संकलन तथा तथ्यों की व्याख्या
2. इतिहास में कार्यकारण संबंध
3. इतिहास में वस्तुनिष्ठता
4. इतिहास का अन्य विषयों से अंतः संबंध

### इकाई–2

5. इतिहास के प्रमुख सिद्धान्त– चक्रवादी, तुलनात्मक, आधुनिकोत्तर
6. इतिहास के प्रमुख सिद्धान्त–ऐतिहासिक भौतिकवाद, समाजशास्त्रीय, सापेक्षवाद
7. इतिहास लेखन की परम्पराएं–ग्रीक–रोमन, चीनी, अरबी तथा पर्शियन
8. इतिहास लेखन की परम्पराएं– प्राचीन भारतीय, मध्यकालीन तथा आधुनिक

### इकाई–3

9. इतिहास की धार्मिक व्याख्या
10. इतिहास की आदर्शवादी व्याख्या
11. इतिहास की राष्ट्रवादी व्याख्या
12. इतिहास की साम्राज्यवादी व्याख्या

### इकाई–4

13. इतिहास की मार्क्सवादी व्याख्या
14. सबाल्टर्न अथवा जनवादी इतिहास
15. भारतीय इतिहास की विषयवस्तु –आर्थिक, राजनीतिक इतिहास
16. भारतीय इतिहास की विषयवस्तु– कृषक एवं श्रमिक

### इकाई–5

17. जातीय एवं जनजातीय इतिहास
18. भारतीय इतिहास की विषयवस्तु–सामाजिक,सांस्कृतिक इतिहास
19. विज्ञान प्रौद्यौगिकी का इतिहास
20. भारतीय इतिहास लेखन – वामपंथी, दक्षिणपंथी

15/5/25 15.5.25 15/05/25 15.05.25 15.05.2025

## अनुशंसित ग्रन्थ सूचीः–


(1) झारखण्ड चौबे, इतिहास दर्शन, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी, 2021

(2) के.एल.खुराना एवं आर.के.बंसल, इतिहास लेखन, धारणाएं तथा पद्धतियां,लक्ष्मी नारायण अग्रवाल प्रका. आगरा, 2005

(3) परमानन्द सिंह, इतिहास दर्शन, प्रका. मोतीलाल बनारसी नई दिल्ली, 2000

(4) राधेशरण, इतिहास पद्धति और इतिहास लेखन, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल, 2003

(5) गोविन्द चन्द्र पांडे, इतिहास स्वरूप एवं सिद्धांत, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी जयपुर,1999

(6) ब्रजेश कुमार श्रीवास्तव, इतिहास लेखनः अवधारणा, विधाएं एवं साधन, साहित्य भवन प्रका. आगरा, 2007

(7) E.H.Carr, What is History, Macmillan London, 1962

(8) R.G. Collingwood,The Idea of History,London,1961

(9) बुद्ध प्रकाश, इतिहास दर्शन, हिन्दी समिति प्रयाग, 1962

(10) मानिक लाल गुप्ता, इतिहास–स्वरूप, अवधारणाएं एवं पद्धतियॉ,अमित पब्लिकेशन कानपुर, 2004

(11) कौलेश्वर राय, इतिहास दर्शन, किताब महल, इलाहाबाद,1999

(12) सत्यनारायण दुबे शरतेन्दु,, इतिहास दर्शन (चिंतन) एवं लेखन, अनुभव पब्लिशिंग हाउस इलाहाबाद, 2001

(13) सतीश चंद्र, मध्यकालीन भारत में इतिहास लेखन, धर्म एवं राज्य का स्वरूप, ग्राम शिल्पी दिल्ली,1999

(14) पांचाल, एच.सी., एच. सी. एन.एम.एस. बघेला, इतिहास के सिद्धांत एवं पद्धतियॉ, रिसर्च पब्लिकेशन, जयपुर, 2013

(15) दुबे, जगदीश नारायण, इतिहास विज्ञान, सुभाष प्रकाशन वाराणसी, 1988

(16) लोहिया राम मनोहर, इतिहास चक्र, लहर प्रकाशन इलाहाबाद, 1995

(17) शर्मा, राम विलास, इतिहास दर्शन, वाणी प्रका. नई दिल्ली,1995

(18) माथुर,एस.के., एवं त्रिपाठी डी.सी.,इतिहास लेखन की अवधारणाएँ एवं आधुनिक विचारधाराएँ,रिसर्च पब्लिकेशन, जयपुर, 2013

(19) S.P. Sen, Historians and Historiography in Modern India, Institute of Historical Studies, Calcutta, 1973.

(20) R.C. Majumdar, Historiography in Modern Indias, ASIA PUBLISHING HOUSE, NEW YORK, 1970


15/5/25 15-5-25 15/05/25 15.05.25 15-05-2025

# एम.ए.पूर्व (इतिहास), वार्षिकी पद्धति, सत्र 2025–26
## द्वितीय प्रश्नपत्र (अनिवार्य)
## बीसवीं शताब्दी का विश्व
## (पेपर कोड– M.A.HIS-020133) प्रोग्राम कोड– M.A.HIS-0201

**कार्यक्रम के परिणाम**

20 वीं एवं 21 वीं सदी की दुनिया में उन घटनाओं की श्रृंखला का प्रभुत्व था जिन्होने विश्व इतिहास में कई महत्वपूर्ण परिवर्तन किए। औद्योगिक क्रांति विश्व में पुंजीवाद, उपनिवेशवाद को बढावा दिया और मानव समाज में संघर्ष हुआ। इस अवधि में स्पेनिश फ्लू, प्रथम विश्व युद्ध तथा युद्ध के बाद परमाणु हथियार, परमाणु शक्ति और उसके बाद संघर्ष हुए इन घटनाओं का अध्ययन इस पाठयक्रम में किया जायेगा।

**इकाई 1**

1. नवीन साम्राज्यवाद
2. पूंजीवाद
3. उदारवाद
4. समाजवाद

**इकाई 2**

5. बिस्मार्क की आंतरिक एवं विदेश नीति
6. कैसर विलियम द्वितीय की विश्व विदेशनीति
7. चीनी क्रांति (1911)
8. . प्रथम विश्वयुद्ध – कारण, घटनाएं, परिणाम

**इकाई 3**

9. पेरिस शांति सम्मेलन की संधियां
10. 1917 की रूसी क्रांति
11. राष्ट्रसंघ– उपलब्धियां एवं असफलताएं
12. विश्व आर्थिक मंदी– न्यू डील

**इकाई 4**

13. इटली में फासीवाद – मुसोलिनी
14. जर्मनी में नाजीवाद – हिटलर
15. जापान में सैन्यवाद
16. अरब राष्ट्रवाद

**इकाई 5**

17. द्वितीय विश्वयुद्ध – कारण, घटनाएं, परिणाम
18. संयुक्त राष्ट्र संघ– उपलब्धियां एवं योगदान
19. गुट निरपेक्ष आंदोलन तथा तृतीय विश्व
20. शीत युद्ध –स्वरूप, अंतर्राष्ट्रीय संधियां एवं तनाव तथा प्रभाव

15/5/25 15-5-25 15/05/25 15.05.25 15-05-2025

## अनुशंसित ग्रन्थ सूची :–


(1) दीनानाथ वर्मा, आधुनिक विश्व का इतिहास ,ज्ञानदा प्रकाशन नई दिल्ली, 2013

(2) के.एल.खुराना एवं शर्मा, विश्व का इतिहास,लक्ष्मी नारायण अग्रवाल,आगरा, 2017

(3) जैन एवं माथुर, आधुनिक विश्व जैन प्रकाशन मंदिर, 2016

(4) H.G.Wells, A Short History of the World, Fingerprint Publishing, 2015

(5) Moon & Parke, Imperialism & World Politics, The Macmillan company, 1926

(6) मथुरालाल शर्मा, आधुनिक यूरोप रमेश बुक डिपो, जयपुर, 1945.

(7) कालूराम शर्मा, आधुनिक विश्व का इतिहास, पंचशील पब्लिकेशन जयपुर, 1987

(8) सत्यकेतु विद्यालंकार, एशिया का इतिहास,सरस्वती सदन मसूरी, 1952

(9) जार्ज बर्नाद्सकी, रूस का इतिहास, येल यूनिवर्सिटी प्रेस, 1961.

(10) B.V. Rao , History of Modern world, Sterling Publishers Pvt. Ltd. 2012.

(11) Pradeep Kumar Ghosh, The History of Modern Europe, Pearson Education, Delhi, 2012.

(12) B.R.Gokhale, Modern Europe, Delhi Himalaya Pub. House, 1987.

(13) A.C.Ray ,Contemporary World, since 1919,World Press PVT.LTD. Kolkata, 2002

(14) D.C.Bhattacharya, International Relation in the 20 th Century ,Vijya Publishing House, 1986.

(15) D.G.E. Hall, South East Asia, Paulgrave Macmillan, London, 1981.

(16) विपिन बिहारी सिन्हा, आधुनिक विश्व, बायो ग्रीन बुक्स, 2009.

(17) दीनानाथ वर्मा एवं शिवकुमार सिंह, विश्व इतिहास का सर्वेक्षण, भारती भवन, नोएडा, 2021.

(18) मानिक लाल गुप्ता, विश्व का इतिहास, अटलांटिक पब्लिशर्स, 2022.

(19) अर्जुन देव एवं इंदिरा अर्जुन देव, समकालीन विश्व का इतिहास (1890–2008)ओरियंट ब्लैकस्वान हैदराबाद, 2009

(20) बी.एन. लुणिया, आधुनिक पाश्चात्य इतिहास की प्रमुख धाराएं (भाग–1), कमल प्रकाशन, इंदौर, 1994–95.

(21) बी.एन. लुणिया, आधुनिक पाश्चात्य इतिहास की प्रमुख धाराएं (भाग–2), कमल प्रकाशन, इंदौर, 1995–96.

(22) कौलेश्वर राय, आधुनिक एशिया (1839–1949), किताब महल, इलाहाबाद, 2005.

(23) कौलेश्वर राय, आधुनिक यूरोप (1789–1945), किताब महल, इलाहाबाद, 2011.

(24) बृजेश कुमार श्रीवास्तव, विश्व इतिहास की प्रमुख धाराएं, , एसबीपीडी पब्लिशिंग हाउस, 2024

(25) बालकृष्ण पंजाबी, पाश्चात्य इतिहास की धाराएं, एबीपीडी पब्लिकेशन, आगरा, 2020

(26) बनर्जी,अजय चंद्र, आधुनिक विश्व, हैदराबाद युनिवर्सिटी प्रेस,1995

(27) भगवान सिंह वर्मा, विश्व इतिहास (1871–1945), छ ग राज्य हिन्दी ग्रंथ अकादमी,रायपुर, 2007.

(28).एस.आर. वर्मा, आधुनिक विश्व का इतिहास, एसबीपीडी पब्लिशिंग हाउस, 2023.

(29) डॉ.मथुरालाल शर्मा, आधुनिक विश्व, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, 2009.


15/5/25 15/05/25 15.05.25 15.05.2025

# एम.ए.पूर्व (इतिहास), वार्षिकी पद्धति, सत्र 2025–26
## तृतीय प्रश्न पत्र (अनिवार्य)
## छत्तीसगढ़ का इतिहास
## (पेपर कोड– M.A.HIS-020134), प्रोग्राम कोड– M.A.HIS-0201

## कार्यक्रम के परिणाम

क्षेत्रीय इतिहास एक महत्वपूर्ण उपकरण है जिसके द्वारा मानव जाति द्वारा की गई प्रगति को मापना संभव है क्षेत्रीय इतिहास छत्तीसगढ़ में अधिक लोकप्रिय होता जा रहा है क्योंकि इसमें इतिहास के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन करने के लिए विभिन्न प्रकार के स्रोतो का उपयोग करने की क्षमता विरासत में मिली है। इस पाठयक्रम में आधुनिक छत्तीसगढ़ राज्य के ब्रिटिश शासन का प्रभाव एवं राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक इतिहास का अध्ययन किया जायेगा।

**इकाई 1**

1. छत्तीसगढ़ का परिचय, सीमाएं, नामकरण
2. प्राचीन काल में छत्तीसगढ़ –प्रारंभ से मौर्य वंश के पूर्व तक
3. प्राचीन काल में छत्तीसगढ़ –मौर्य, गुप्त, वाकाटक
4. क्षेत्रीय राजवंश –नलवंश, राजर्षितुल्य, शरभ पुरीय, पांडु वंशीय, छिंदकनाग वंश सोमवंश

**इकाई 2**

5. छत्तीसगढ़ के कल्चुरी
6. कल्चुरी युगीन छत्तीसगढ़ की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक दशा
7. छत्तीसगढ़ में भोंसला शासन
8. मराठा कालीन, छत्तीसगढ़ की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक दशा

**इकाई 3**

9. छत्तीसगढ़ में ब्रिटिश शासन
10. ब्रिटिश कालीन छत्तीसगढ़ का सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक दशा
11. छत्तीसगढ़ की जमीदारियां एवं करद राज्य
12. 1857 का विप्लव (छत्तीसगढ़, उड़ीसा, सागर नर्मदा क्षेत्र, नागपुर)

**इकाई 4**

13. छत्तीसगढ़ में राजनीतिक जागरण 1920 तक
14. छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय आन्दोलन (1920–1947)
15. छत्तीसगढ़ में किसान, मजदूर, जनजातीय आन्दोलन
16. छत्तीसगढ़ की रियासतों का विलीनीकरण

**इकाई 5**

17. छत्तीसगढ़ में धार्मिक आस्थाएं –वैष्णव, शैव, शाक्त, जैन, कबीरपंथ, सतनाम पंथ, इस्लाम धर्म, इसाई धर्म
18. छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति
19. छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माण की पृष्ठभूमि
20. स्वातंत्र्योत्तर छत्तीसगढ़ का आर्थिक विकास

15/5/25 15/05/25 15.05.25 15.05.2025

## अनुशंसित ग्रन्थ सूची :


(1) प्यारेलाल गुप्त, प्राचीन छत्तीसगढ़, रविशकर युनिवर्सिटी रायपुर, 1973

(2) पी.एल. मिश्र, दक्षिण कोशल का प्राचीन इतिहास, **समता कॉलोनी, रायपुर,** 2003.

(3) पी.एल. मिश्र, मराठाकालीन छत्तीसगढ़, महाकौशल एकेडमी रायपुर, 1999

(4) खान,एम.ए, हिस्ट्र आफ ब्रिटिश एडमिनिस्ट्रेटिव सिस्टम इन इंडिया,द लाइब्रेरी प्रकाशन,रायपुर,1979

(5) भगवान सिंह वर्मा, छत्तीसगढ़ का इतिहास, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल, 2003

(6) राम कुमार बेहार, छत्तीसगढ़ का इतिहास, छत्तीसगढ़ राज्य हिन्दी ग्रंथ अकादमी,रायपुर,2016

(7) एल.एस. निगम, दक्षिण कोशल का ऐतिहासिक भूगोल, शारदा पब्लिशिंग हाउस, 1998.

(8) मदनलाल गुप्ता, छत्तीसगढ़ दिग्दर्शन, भारतेंदु हिन्दी साहित्य समिति बिलसपुर, 1998

(9) जे.आर. वार्ल्यानी एवं वासुदेव साहसी, छत्तीसगढ़ का राजनीतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास,दिव्या प्रका. कांकेर,1997

(10) सुरेश चंद्र शुक्ल, छत्तीसगढ़ का समग्र अध्ययन, मातुश्री पब्लिकेशन,रायपुर, 2020

(11)ऋषिराज पांडेय,छत्तीसगढ़ (दक्षिण कोशल के कल्चुरि), छत्तीसगढ़ राज्य हिन्दी ग्रंथ अकादमी,रायपुर, 2008

(12) व्ही.व्ही. मिराशी, कल्चुरि नरेश और उनका काल, मध्यप्रदेश साहित्य परिषद भोपाल,1965

(13) शांता शुक्ला, छत्तीसगढ़ का सामाजिक एवं आर्थिक इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस,नई दिल्ली, 2002

(14) राधेश्याम पटेल, कबीर पंथ और छत्तीसगढ़ का सामाजिक विकास, सर्वप्रिय प्रकाशन नई दिल्ली, 2014

(15) आभा रूपेन्द्र पाल एवं डिश्वर नाथ खुटे, बस्तरः राजनीतिक ,सामाजिक एवं सांस्कृतिक इतिहास, ओरियंट ब्लैकस्वान ,हैदराबाद, 2021

(16) सुरेश चंद्र शुक्ला एवं अर्चना शुक्ला, छत्तीसगढ़ समग्र, शिक्षादूत प्रकाशन रायपुर, 2003

(17) सुरेश चंद्र शुक्ला, छत्तीसगढ़ की रियासतों का विलीनीकरण, शिक्षादूत प्रकाशन रायपुर, 2002

(18) झा,सुभाष दत्त, छत्तीसगढ़ का प्रशासनिक इतिहास, रविशकर युनिवर्सिटी रायपुर, 1993

(19) दिनेश नंदिनी परिहार, दक्षिण कौशल का इतिहास, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली, 1996.

(20) रमेन्द्र नाथ मिश्र एवं लक्ष्मीधर झा, छत्तीसगढ़ का राजनीतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास (प्रारंभ से 1947 ई. ) रायपुर

(21) शर्मा, अरविंद, छत्तीसगढ़ का राजनीतिक इतिहास, अरपा पॉकेट बुक्स, बिलासपुर,1999

(22) शुक्ल हीरालाल, छत्तीसगढ़ का जनजातीय इतिहास, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल, 2007

(23) यदु, हेमू, छत्तीसगढ़ का गौरवशाली इतिहास,बी.आर. पब्लिशिंग कार्पोरेशन दिल्ली, 2006

(24) मिश्र,बलदेव प्रसाद, छत्तीसगढ़ परिचय, हिन्दी प्रकाशन बिलासपुर, 1955

(25) रामटेके, टी. आर, छत्तीसगढ़ के प्राचीन किलो की स्थापत्य कला, कर्मा प्रकाशन, रायपुर, 2025.

(26) डिश्वर नाथ खुटे, बस्तर की राजनीतिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था (1854–1947), शिवालिक प्रकाशन, नई दिल्ली, 2019

(27) हेमवती ठाकुर, छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण आंदोलन, रुद्रा पब्लिकेशंस, बिलासपुर, 2022

(28) डिश्वर नाथ खुटे, बस्तर की जनजातियों का इतिहास


15/5/25 15/05/25 15.05.25 15.05.2025

# एम.ए.पूर्व इतिहास, वार्षिकी पद्धति, सत्र 2025–26
## चतुर्थ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक– अ)
## ग्रेट ब्रिटेन का इतिहास (1815–1945 ई. )
## (पेपर कोड – M.A.HIS-020135), प्रोग्राम कोड– M.A.HIS-0201

## कार्यक्रम के परिणाम

ग्रेट ब्रिटेन विश्व का एक प्रमुख देश है जिसने अपनी साम्राज्यवादी नीतियों से पूरे विश्व को प्रभावित किया है। इस पाठ्यक्रम में 1815 तक ब्रिटेन में हुई आंतरिक समस्याएँ तथा उनकी नीतियों, संसदीय सुधार के साथ–साथ विदेश नीतियों और द्वितीय विश्वयुद्ध में उनका योगदान का अध्ययन किया जा सकेगा।

**इकाई 1**

1. 1815 से 1822 तक की आंतरिक समस्यायें
2. केसलरे और केनिंग की विदेश नीति
3. 1822 से 1830 तक इंग्लैण्ड की आतंरिक स्थिति
4. 1832 का सुधार अधिनियम

**इकाई 2**

5. ब्रिटेन में उदारवाद का उदय और विकास
6. चार्टिस्ट आंदोलन
7. ग्रेट ब्रिटेन की विदेश नीति (1830 से 1841)
8. सर राबर्ट पील

**इकाई 3**

9. ग्रेट ब्रिटेन और पूर्वी समस्या (1828 से 1856)
10. पामस्टर्न युग
11. नवीन टोरीवाद
12. 1867 एवं 1885 के संसदीय सुधार

**इकाई 4**

13. ग्लेड स्टोन
14. बेंजामिन डिजरायली
15. चेम्बरलेन का साम्राज्यवाद
16. ग्रेट ब्रिटेन की वैदेशिक नीति (1902–1914)

**इकाई 5**

17. ग्रेट ब्रिटेन और प्रथम विश्वयुद्ध
18. ग्रेट ब्रिटेन की गृह नीति (1919–1939)
19. ग्रेट ब्रिटेन की वैदेशिक नीति (1919–1939)
20. ग्रेट ब्रिटेन और द्वितीय विश्व युद्ध

**अनुशंसित ग्रंथ सूची**

(1) एल.पी. शर्मा, इंग्लैंड का इतिहासए लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, 2020.
(2) विद्याधर महाजन, इंग्लैंड का इतिहास, एस चंद,, नई दिल्ली, 1971
(3 J.A.R.Marriott, Modern England, Metheun and Company Limited, London,.1948.(4)G.M.Trevelyan, Social History of English, Books Way, 2014.

15.05.25 15.05.2025

(5) Ramsay Muir.History of England,George Philip Ampson limited, London, 1935.

(6) बिपिन बिहारी सिन्हा, आधुनिक ग्रेट ब्रिटेन, ज्ञानंदा प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008.

(7) मेटलैंड एफ डब्लू, कान्सटीट्युशनल हिस्ट्री ऑफ इंग्लैंड, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, इंग्लैंड, 1900

15/5/25 15/05/25 15.05.25 15-05-2025

# एम.ए.पूर्व इतिहास ,वार्षिक पद्धति, सत्र 2025–26
## चतुर्थ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक–द)
## भारतीय इतिहास में नारी
## (पेपर कोड – M.A.HIS-020136), प्रोग्राम कोड– M.A.HIS-0201

## कार्यक्रम के परिणाम

नारी अध्ययन भारतीय इतिहास का एक महत्वपूर्ण विषय है। इस पाठ्यक्रम से नारी अध्ययन से संबंधित स्त्रोतों, विभिन्न विचारधाराओं की जानकारी प्राप्त होगी इसमें प्राचीनकाल से लेकर मध्यकाल में महिलाओं की सामाजिक, राजनैतिक स्थितियों का अध्ययन किया जायेगा।

**इकाई 1**

1. नारी अध्ययन की विभिन्न विचारधाराएँ
2. नारी अध्ययन के स्त्रोत – ऐतिहासिक स्त्रोत
3. नारी अध्ययन गैर अभिलेखागारीय स्त्रोत
4. नारी अध्ययन का महत्व एवं उपयोगिता

**इकाई 2**

5. नारी की स्थिति वैदिक युग से राजपूत काल
6. बौद्ध एवं जैन धर्म में महिलाओं की स्थिति
7. इस्लाम एवं सिक्ख धर्म में महिलाओं की स्थिति
8. भक्ति आंदोलन और महिलाएं

**इकाई 3**

9. प्राचीन काल में महिला शिक्षा
10. मध्यकालीन भारत में महिला शिक्षा
11. औपनिवेशिक काल में महिला शिक्षा
12. स्वातंत्र्योतर भारत में महिला शिक्षा

**इकाई 4**

13. मध्यकालीन राजनीति एवं महिलाएं
14. 19वीं. एवं 20वीं शताब्दी के नारी संगठन
15. भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन और महिलाएं
16. स्वतंत्रता के पश्चात् राजनीति और महिलाएं

**इकाई 5**

17. स्वातंत्र्योतर भारत में महिलाओं की वैधानिक स्थिति
18. महिलाएं –कला, साहित्य,एवं खेलकूद के क्षेत्र में
19. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में महिलाऐं
20. कामकाजी महिलाएं –स्वावलंबन एवं सशक्तिकरण

15/5/25 15/05/25 15.05.25 15-05-2025

## अनुसंशित ग्रंथ सूचीः—


1. कमलेश्वर प्रसाद, भारत का इतिहास खंड 1, 2, 3. भारती भवन, पटना, 2021.
2. सुगम आनंद, भारतीय इतिहास में नारी. अनुभव पब्लिकेशन, नई दिल्ली, 2015.
3. के. सी श्रीवास्तव, प्राचीन भारत का इतिहास तथा संस्कृति, यूनाइटेड बुक डिपो, इलाहाबाद, 2002
4. सुरेश चंद्र शुक्ला, भारतीय इतिहास में नारी. मातुश्री पब्लिकेशन रायपुर, 2019.
5. रामधारी सिंह दिनकर, संस्कृति के चार अध्याय. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2011.
6. पूरी, दास, चोपड़ा, भारत का सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक इतिहास. मैकमिलन, दिल्ली, 1994.
7. रामशरण शर्मा, प्राचीन भारत, एन.सी.ई.आर.टी, नई दिल्ली, 1991
8. सुधा गोस्वामी, भारत की चर्चित महिलाएं. उपकार पब्लिकेशन, आगरा, 2012.
9. डॉ. एम. के. गिरी, द रोल एंड स्टेटस ऑफ वोमेन इन सिखीज्म, नेशनल बुक, दिल्ली, 1995.
10. राजपाल, वीमेन इन अर्ली मिडीवल नार्थ इंडिया. द वीमेन प्रेस, दिल्ली, 2008
11. माहेश्वरी सरला, नारी प्रश्न, राधा कृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 1998


15/5/25 15/05/25 15.05.25 15.05.2025

# Pt. Ravishankar Shukla University,
## Raipur (C.G.), India 492010

# CURRICULUM & Syllabus
## M.A. History
### Final

## Annual

### Session: 2025-26

| | | |
|---|---|---|
| Approved by | : | |
| Board of Studies | : | **History (Subject Name )** |
| Dates | : | **15.05.2025** |
| Name of Chairman | : | **Dr. Hemwati Thakur** 15.05.2025 |
| Name of Member's | : | **Dr. Poonam Singh** 15/05/25 |
| | | **Smt. Amita Bisen** 15.05.25 |
| | | **Dr. D. N. Khute** 15-5-2025 |
| | | **Dr. Banso Nuruti** 15/5/25 |

# पं. रविशकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर छ.ग.

## एम.ए.अंतिम इतिहास

## वार्षिकी पद्धति

## सत्र 2025–26

**नोटः**– एम.ए. (अंतिम) में परीक्षार्थियों को निम्नलिखित **खण्ड ब एवं स** में से कोई एक खण्ड को तथा उसमें से दो प्रश्न पत्र चयनित करना होगा एवं नीचे दिए गए **तीन वैकल्पिक प्रश्नपत्रों** में से कोई भी दो वैकल्पिक प्रश्नपत्रो का चयन करना होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100–100 अंकों के होंगे।

| क्रम प्रश्न पत्र | प्रश्नपत्र का नाम | पेपर कोड | प्रोग्राम कोड | पूर्णांक |
|---|---|---|---|---|
| | **खण्ड "ब" मध्यकालीन भारत** | | | |
| 1. प्रथम प्रश्नपत्र | मध्यकालीन भारतीय राजनय एवं अर्थव्यवस्था (1200 से 1750 ई तक) | (M.A.HIS-020137) | M.A.HIS-0201 | 100 |
| 2. द्वितीय प्रश्नपत्र | मध्यकालीन समाज एवं संस्कृति (1200 से 1750 ई. तक) | (M.A.HIS-020138) | M.A.HIS-0201 | 100 |
| | **खण्ड "स" आधुनिक भारत** | | | |
| 1. प्रथम प्रश्नपत्र | आधुनिक भारत (1757ई. से 1857ई. तक) | (M.A.HIS-020139) | M.A.HIS-0201 | 100 |
| 2. द्वितीय प्रश्नपत्र | आधुनिक भारत (1857ई. से 1964ई. तक) | (M.A.HIS-020140) | M.A.HIS-0201 | 100 |
| | **वैकल्पिक प्रश्नपत्र** | | | |
| 1. वैकल्पिक प्रश्नपत्र | भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन का इतिहास (1882 ई. से 1947 ई. तक) | (M.A.HIS-020141) | M.A.HIS-0201 | 100 |
| 2. वैकल्पिक प्रश्नपत्र | भारत का सांस्कृतिक इतिहास – प्रारंभ से 1950 ई. तक | (M.A.HIS-020142) | M.A.HIS-0201 | 100 |
| 3.. वैकल्पिक प्रश्नपत्र | पर्यटन सिद्धांत एवं व्यवहार (इतिहास से संदर्भ तक) | (M.A.HIS-020143) | M.A.HIS-0201 | 100 |

15/5/25 15/05/25 15.05.25 15.05.2025

# एम.ए.अंतिम इतिहास, वार्षिकी पद्धति, सत्र 2025–26
## (खंड–ब) मध्यकालीन भारत
## प्रथम प्रश्न पत्र
## मध्यकालीन भारतीय राजनय एवं अर्थव्यवस्था (1200 से 1750 ई.)
## (पेपर कोड– M.A.HIS-020137) प्रोग्राम कोड– M.A.HIS-0201

## कार्यक्रम के परिणाम

मध्यकालीन भारत का इतिहास, काल और भाषा, संस्कृति और धर्म के क्षेत्र में हुए विकास के कारण भारत के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अवधि है। साथ ही इस अवधि ने भारतीय संस्कृति पर अन्य धर्मो के प्रभाव को देखा है। मध्यकाल की शुरूआत राजपूत काल में उदय से चिन्हित है। इस पाठ्यक्रम में सल्तनत कालीन भारत के राजनीतिक व आर्थिक क्षेत्रों का अध्ययन किया जायेगा।

**इकाई–1**

1. सल्तनत कालीन इतिहास के स्त्रोत
2. मुगल कालीन इतिहास के स्त्रोत
3. मध्यकालीन स्थापत्य व शिल्पकला
4. मराठाकालीन इतिहास के स्त्रोत

**इकाई–2**

5. सल्तनत कालीन राजनय का स्वरूप एवं राजत्व सिद्धांत
6. मुगल कालीन राजनय – दैवीय अधिकार सिद्धांत
7. केन्द्रीय प्रशासन – सल्तनत कालीन, मुगलकालीन
8. प्रांतीय व्यवस्था – इक्ता, अमरम, मनसब व जागीर

**इकाई–3**

9. सल्तनतकाल में सुल्तान एवं अमीरों के बीच संघर्ष
10. सल्तनत कालीन क्षेत्रीय राज्य
11. मुगलकालीन दरबारी राजनीति, संघर्ष, दक्खन के मुस्लिम राज्यों का प्रतिरोध
12. मराठा राज्य की स्थापना तथा विकास एवं शिवाजी का प्रशासन

**इकाई–4**

13. मध्यकालीन कृषि अर्थव्यवस्था एवं भूराजस्व व्यवस्था
14. शिल्प व उद्योग
15. आंतरिक व्यापार
16. विदेशी व्यापार

**इकाई–5**

17. नगरों का उदय एवं विकास– जनांकीकिय परिवर्तन, नगरीय प्रशासन
18. मध्यकालीन मुद्राएं एवं बैकिंग
19. नए व्यापारिक वर्गो का उदय
20. कृषि एवं उद्योग में तकनीकी परविर्तन

15/5/25 15/05/25 15.05.25 15-05-2025

## अनुसंशित संदर्भ ग्रंथ सूची–

1.हरिश्चंद्र वर्मा, मध्यकालीन भारत भाग– 1,हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय नई दिल्ली,

2. ए .एल. श्रीवास्तव,सल्तनत कालीन भारत, शिवलाल अग्रवाल एंड कंपनी, आगरा ,1950

3. .विपिन बिहारी सिन्हा, मध्यकालीन भारत, ज्ञान प्रकाशन, नई दिल्ली, 1993

4.बी.एन. लूणीया, पूर्व मध्यकालीन भारत, राजकमल प्रकाशन , दरियागंज, नई दिल्ली, 2009

5.इरफान हबीब, सल्तनत कालीन भारत, विकास पब्लिशिंग हाउस, नोएडा, 2001

6.एल.पी.शर्मा,मध्यकालीन भारत, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा, 2021

7. सतीश चंद्र, मध्यकालीन भारत, राजनीति समाज एवं संस्कृति आठवीं से 17वीं सदी तक ओरिएंट ब्लैकस्वान, नई दिल्ली, 2021

8. बी. डी.महाजन, मध्यकालीन भारत 1000 ई से 1761 ई तक , ओरिएंट ब्लैकस्वान, नई दिल्ली, 2011

9. ए .एल श्रीवास्तव, मध्यकालीन संस्कृति, शिवलाल अग्रवाल एंड कंपनी, आगरा, 1950

10.बी.के. पंजाबी, मध्यकालीन भारतीय इतिहास, एबीपीडी पब्लिकेशन, आगरा, 2020

11.हरिश्चंद्र वर्मा, मध्यकालीन भारत भाग 1 ,हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, नई दिल्ली,

12. रामधारी सिंह दिनकर, संस्कृति के चार अध्याय, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2011

13. पुरी ,दास ,चोपड़ा, भारत का सामाजिक ,आर्थिक एवं सांस्कृतिक इतिहास (भाग– 2) मैकमिलन प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली, 1975– 76

15.05.25 15/5/25 15-05-2025

# एम.ए.अंतिम इतिहास, वार्षिकी पद्धति,सत्र 2025–26
## (खंड–ब) द्वितीय प्रश्न पत्र
## मध्यकालीन समाज एवं संस्कृति (1200–1750 ई. तक)
## (पेपर कोड– M.A.HIS-020138), प्रोग्राम कोड– M.A.HIS-0201

## कार्यक्रम के परिणाम

मध्यकालीन भारत का इतिहास काल और भाषा, संस्कृति और धर्म के क्षेत्र में हुए विकास के कारण भारत के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अवधि है। साथ ही इस अवधि ने भारतीय संस्कृति पर अन्य धर्मो के प्रभाव को देखा है। मध्यकाल की शुरूआत राजपूत काल के उदय से चिन्हित है। इस पाठ्यक्रम में मध्यकालीन भारत के 1200 से 1750 तक के सामाजिक व सांस्कृतिक पक्षों का अध्ययन किया जायेगा।

**इकाई–1**

1. मध्यकालीन ग्रामीण समाज– संगठन एवं परिवर्तन
2. मध्यकालीन नगरीय समाज – नए सामाजिक वर्गो का अंर्तसाम्प्रादायिक संबंध
3. मध्यकालीन स्त्रियों की दशा
4. मध्यकालीन सामाजिक जीवन

**इकाई–2**

6. भक्ति आंदोलन– कबीर व नानक
7. भक्ति आंदोलन – कृष्ण भक्ति तथा राम भक्ति
8. भक्ति आंदोलन की क्षेत्रीय विशेषताएं
9. सूफीवाद सिद्धांत व व्यवहार, सूफी सिलसिले

**इकाई–3**

9. सल्तनकालीन स्थापत्य
10. मुगलकालीन स्थापत्य
11. क्षेत्रीय स्थापत्य – विजय नगर, बहमनी, जौनपुर, गुजरात, मालवा, राजपूताना
12. मध्यकाल में चित्रकला, संगीत व नृत्य

**इकाई–4**

13. फारसी भाषा एवं साहित्य
14. हिन्दी साहित्य का विकास
15. संस्कृत साहित्य का विकास
16. क्षेत्रीय साहित्य का विकास

**इकाई–5**

17. मध्यकालीन भारतीय समाज में शासक वर्गो की भूमिका
18. धार्मिक एवं साम्प्रदायिक समुदायों का प्रादुर्भाव
19. भारतीय सभ्यता पर इस्लामिक प्रभाव
20. समन्वयवादी संस्कृति का विकास

15/05/25 15.05.25 15/5/25 15-05-2025

**अनुसूचित** संदर्भ **ग्रंथ सूची –**

1.हरिश्चंद्र वर्मा, मध्यकालीन भारत भाग– 1,हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय नई दिल्ली,

2. ए .एल. श्रीवास्तव,सल्तनत कालीन भारत, शिवलाल अग्रवाल एंड कंपनी, आगरा ,1950

3. .विपिन बिहारी सिन्हा, मध्यकालीन भारत, ज्ञान प्रकाशन, नई दिल्ली, 1993

4.बी.एन. लूणीया, पूर्व मध्यकालीन भारत, राजकमल प्रकाशन , दरियागंज, नई दिल्ली, 2009

5.इरफान हबीब, सल्तनत कालीन भारत, विकास पब्लिशिंग हाउस, नोएडा, 2001

6.एल.पी.शर्मा,मध्यकालीन भारत, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा, 2021

7. सतीश चंद्र, मध्यकालीन भारत, राजनीति समाज एवं संस्कृति आठवीं से 17वीं सदी तक ओरिएंट ब्लैकस्वान, नई दिल्ली, 2021

8. बी. डी.महाजन, मध्यकालीन भारत 1000 ई से 1761 ई तक , ओरिएंट ब्लैकस्वान, नई दिल्ली, 2011

9. ए .एल श्रीवास्तव, मध्यकालीन संस्कृति, शिवलाल अग्रवाल एंड कंपनी, आगरा, 1950

10.बी.के. पंजाबी, मध्यकालीन भारतीय इतिहास, एबीपीडी पब्लिकेशन, आगरा, 2020

11.हरिश्चंद्र वर्मा, मध्यकालीन भारत भाग 1 ,हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, नई दिल्ली,

12. रामधारी सिंह दिनकर, संस्कृति के चार अध्याय, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2011

13. पुरी ,दास ,चोपड़ा, भारत का सामाजिक ,आर्थिक एवं सांस्कृतिक इतिहास (भाग– 2) मैकमिलन प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली, 1975– 76

15/5/25 15.05.25 15/5/25 15-05-2025

# एम.ए.अंतिम इतिहास, वार्षिकी पद्धति,सत्र 2025–26
## (खंड–स) आधुनिक भारत
## प्रथम प्रश्न पत्र
## आधुनिक भारत (1757 ई. से 1857 ई.)
## (पेपर कोड– M.A.HIS-020139) प्रोग्राम कोड– M.A.HIS-0201

## कार्यक्रम के परिणाम

आधुनिक भारत के इतिहास को औपनिवेशिक काल के रूप में भी जाना जाता है, इस अवधि के दौरान अग्रेजो ने हमारे देश का काफी हद तक शोषण किया था। यह काल हमारे पारंपरिक समाज को आधुनिक समाज में बदल देता है। 18 वीं सदी में अग्रेजों ने सभी को परास्त कर भार में अपना साम्राज्य स्थापित किया। अंग्रेजो ने देश में सामाजिक राजनीतिक और आर्थिक जीवन में क्रांतिकारी परिवर्तन किया। प्रशासनिक परिवर्तनों से देश में अनेक स्थानों पर जनजातीय और कृषक विद्रोह भी हुए लेकिन कुछ समय के बाद देश में परिवर्तन की लहर से अंग्रजी शासन के खिलाफ 1857 की क्रांति शुरू हुए। इस पाठ्यक्रम में इन सारे क्षेत्रों में 1757 से 1857 तक का अध्ययन किया जायेगा।

**इकाई–1**

1. आधुनिक भारतीय इतिहास के स्त्रोत
2. आधुनिक भारतीय इतिहास लेखन की विभिन्न विचारधाराएँ
3. पूर्व उपनिवेशवादी भारत की राजनीतिक व्यवस्था
4. पूर्व उपनिवेशवादी भारत की सामाजिक एवं सांस्कृतिक व्यवस्था

**इकाई–2**

5. भारत में यूरोपियों का आगमन
6. यूरोपीय वाणिज्यवाद की विचारधाराएं एवं कार्यक्रम – ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के संदर्भ में
7. कंपनी के अधीन ब्रिटिश साम्राज्य का विस्तार – नीतियां, युद्ध व कूटनीति
8. कंपनी के अधीन कृषि एवं भू–राजस्व व्यवस्था

**इकाई–3**

9. प्रशासनिक विचारधाराएं – प्राच्यवादी, आंग्लवादी, उपयोगितावादी
10. कंपनी के अधीन प्रशासकीय व्यवस्था तथा संवैधानिक विकास
11. कंपनी प्रशासन के अंतर्गत लोकसेवा, न्याय व्यवस्था एवं पुलिस
12. शैक्षिक विकास (कम्पनी शासन के अंतर्गत)

**इकाई–4**

13. सामाजिक पुर्नजागरण व परिस्थितियां
14. समन्वयवादी समाज सुधार आंदोलन बंगाल एवं महाराष्ट्र के संदर्भ में
15. प्रतिक्रियावाद – बहावी आंदोलन
16. उपनिवेशवाद का प्रतिरोध – जनजातीय एवं कृषक आंदोलन, कृषि एवं भूराजस्व व्यवस्था

**इकाई–5**

17. 1857 के पूर्व भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में परिवर्तन
18. नगरी अर्थव्यवस्था – हस्तशिल्प उद्योगों की स्थिति
19. 1857 का विद्रोह – विचारधाराएं, कार्यक्रम, नेतृत्व एवं ब्रिटिश प्रतिक्रिया
20. आंतरिक एवं विदेशी व्यापार में परिवर्तन

15/5/25 15/05/25 15.05.25 15-05-2025

## अनुसंशित संदर्भ ग्रंथ सूची –

1.एल. पी.शर्मा, आधुनिक भारत ,दिल्ली विश्वविद्यालय वर्ष 1975
2.रजनीपाम दत्त, इंडिया टुडे, रेड बुक्स, विक्टर गोलंक्ज लिमिटेड, लंदन, 1940
3.प्रताप सिंह, आधुनिक भारत का इतिहास रिसर्च पब्लिकेशन, नई दिल्ली,
4.एम. एस. जैन, आधुनिक भारत, न्यू एज इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली, 4जी एडिशन 1993
5.सुमित सरकार, आधुनिक भारत का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, फर्स्ट एडिशन 2019
6. बी. एल. ग्रोवर एवं यशपाल, आधुनिक भारत के इतिहास ,एस चंद, नई दिल्ली, 2011
7. एग्नेश ठाकुर, भारत का इतिहास 1757 से 1857,मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी ,भोपाल 2022
8. विरकेश्वर प्रसाद सिंह, भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन एवं संवैधानिक विकास, ज्ञानंदा पब्लिकेशन, आगरा, 2016.
9.एस.आर.शर्मा – मेकिंग ऑफ मॉडर्न इंडिया ,ओरिएंट लॉन्ग मेंस लिमिटेड, हैदराबाद, 1951
10.बी.बी. मिश्र, सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेशन का ईस्ट इंडिया कंपनी, मैनचेस्टर यूनिवर्सिटी प्रेस, 1960
11.शेखर बंदोपाध्याय, प्लासी से विभाजन तक और उसके बाद ,ओरिएंट ब्लैक स्वान, नई दिल्ली, 2009
12.विपिन चंद्र, आधुनिक भारत का इतिहास ,ओरिएंटल पब्लिकेशन, नई दिल्ली, 2009
13.वी.डी.महाजन, मॉडर्न इंडियन हिस्ट्री फ्रॉम 1707 टू प्रेजेंट डे, एस चंद , नई दिल्ली, 2010
14.के.सी .चौधरी, हिस्ट्री ऑफ मॉडर्न इंडिया, न्यू सेंट्रल बुक एजेंसी, 2011
15.कौलेश्वर राय, आधुनिक भारत 1757 – 1950, किताब महल, इलाहाबाद
16.सीमा पाल, भारतीय संस्कृति एवं ब्रिटिश उपनिवेशवाद, सर्वप्रिय प्रकाशन, दिल्ली. 2016

15.05.25 15/5/25 15-05-2025

# एम.ए.अंतिम इतिहास, वार्षिकी पद्धति, सत्र 2025–26
## (खंड–स) द्वितीय प्रश्न पत्र
## आधुनिक भारत (1858–1964 ई.)
## (पेपर कोड– M.A.HIS-020140), प्रोग्राम कोड– M.A.HIS-0201

## कार्यक्रम के परिणाम

भारत में ब्रिटिश साम्राज्य की स्थापना के बाद राजनीतिक एवं प्रशासनिक क्षेत्र में अनेक परिवर्तन किय गये। 1858 के बाद प्रशासन में अनेक संवैधानिक सुधार हेतु अधिनियम बनाये गये। कानून व्यवस्था और लोक सेवओं पर व्यापक प्रभाव पड़ा । भारत के पड़ोसी देशो से संबंध प्रभावित हुए। इस अवधि में भारत में राष्ट्रवाद का उदय हुआ अनेक आन्दोलन प्रारंभ हुए, 1947 मे देश आजाद हुआ स्वतंत्र भारत का संविधान 1950 में लागू किया गया। भारत की विदेश नीति में परिवर्तन हुआ, इन सभी का 1858 से 1964 तक का विस्तृत अध्ययन इस पाठ्यक्रम में किया जा सकेगा।

**इकाई–1**

1. प्रशासनिक परिवर्तन – संवैधानिक सुधारों के संदर्भ में
2. प्रशासनिक ढांचा – लोकसेवा, न्याय व्यवस्था तथा पुलिस सेवा के संदर्भ में
3. देशी रियासतों के साथ संबंध – नीतिगत विस्तार
4. पड़ोसी राज्यों से संबंध,नीतियां एवं कार्यक्रम – अफगानिस्तान, नेपाल, फारस, तथा बर्मा के संदर्भ

**इकाई–2**

5. आर्य समाज व थियोसोफिकल सोसायटी, प्रार्थना समाज, रामकृष्ण मिशन
6. भारतीय मुसलमानों का ब्रिटिश राज के साथ सहयोग एवं अलीगढ़ आंदोलन
7. ब्रिटिश शासन काल में नारी उत्थान के प्रयास
8. आधुनिक शिक्षा का विकास

**इकाई–3**

9. यातायात एवं संचार के साधनों का विकास
10. आधुनिक उद्योगों का विकास
11. भारतीय कृषि का वाणिज्यीकरण
12. भारत से धन निर्गमन

**इकाई–4**

13. भारतीय राष्ट्रवाद का उदय – अवधारणाएं एवं गतिविधियां
14. 1919 तक संगठित राष्ट्रवाद की प्रवृत्तियां
15. कृषक, श्रमिक एवं क्रांतिकारी आंदोलन
16. गांधीवादी आंदोलन – विचारधारा, स्वरूप, कार्यक्रम

**इकाई–5**

17. भारतीय रियासतों का विलीनीकरण
18. नियोजित अर्थव्यवस्था – पंचवर्षीय योजनाएं
19. भूमि सुधार, स्वास्थ एवं तकनीकी विकास
20. भारत की विदेश नीति – गुट निरपेक्षता

15/05/25 15.05.25 15/5/25 15.05.202

## अनुसंशित संदर्भ ग्रंथ सूचीः–

1.एल. पी.शर्मा, आधुनिक भारत ,दिल्ली विश्वविद्यालय वर्ष 1975
2.रजनीपाम दत्त, इंडिया टुडे, रेड बुक्स, विक्टर गोलंक्ज लिमिटेड, लंदन, 1940
3.प्रताप सिंह, आधुनिक भारत का इतिहास रिसर्च पब्लिकेशन, नई दिल्ली,
4.एम. एस. जैन, आधुनिक भारत, न्यू एज इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली, 4जी एडिशन 1993
5.सुमित सरकार, आधुनिक भारत का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, फर्स्ट एडिशन 2019
6. बी. एल. ग्रोवर एवं यशपाल, आधुनिक भारत के इतिहास ,एस चंद, नई दिल्ली, 2011
7. एग्नेश ठाकुर, भारत का इतिहास 1757 से 1857,मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी ,भोपाल 2022
8. विरकेश्वर प्रसाद सिंह, भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन एवं संवैधानिक विकास, ज्ञानंदा पब्लिकेशन, आगरा, 2016.
9.एस.आर.शर्मा – मेकिंग ऑफ मॉडर्न इंडिया ,ओरिएंट लॉन्ग मेंस लिमिटेड, हैदराबाद, 1951
10.बी.बी. मिश्र, सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेशन का ईस्ट इंडिया कंपनी, मैनचेस्टर यूनिवर्सिटी प्रेस, 1960
11.शेखर बंदोपाध्याय, प्लासी से विभाजन तक और उसके बाद ,ओरिएंट ब्लैक स्वान, नई दिल्ली, 2009
12.विपिन चंद्र, आधुनिक भारत का इतिहास ,ओरिएंटल पब्लिकेशन, नई दिल्ली, 2009
13.वी.डी.महाजन, मॉडर्न इंडियन हिस्ट्री फ्रॉम 1707 टू प्रेजेंट डे, एस चंद , नई दिल्ली, 2010
14.के.सी .चौधरी, हिस्ट्री ऑफ मॉडर्न इंडिया, न्यू सेंट्रल बुक एजेंसी, 2011
15.कौलेश्वर राय, आधुनिक भारत 1757 – 1950, किताब महल, इलाहाबाद
16.सीमा पाल, भारतीय संस्कृति एवं ब्रिटिश उपनिवेशवाद, सर्वप्रिय प्रकाशन, दिल्ली. 2016

15/05/25 15.05.25 15/5/25 15-05-2025

# एम.ए.अंतिम इतिहास, वार्षिकी पद्धति,सत्र 2025–26
## वैकल्पिक –1
## भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन का इतिहास (1885–1947 ई.)
## (पेपर कोड– M.A.HIS-020141) प्रोग्राम कोड– M.A.HIS-0201

## कार्यक्रम के परिणाम

भारतीय राष्ट्रीय आन्दोन का इतिहास आधुनिक क्रांतियों जितना ही प्रासंगिक और महत्वपूर्ण है जिसका मकसद मौजुदा राजनीतिक और सामाजिक संस्कृति को बदलना और समानता पर आधारित एक नई राजनीतिक सामाजिक व आर्थिक व्यवस्था, कानून का शासन और लोकतांत्रिक व्यवस्था स्थापित करना था। इस अवधि में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना तथा अनेक संगठनों के द्वारा भारत की आजादी के लिए संघर्ष प्रारंभ हुए। महात्मा गॉधी के नेतृत्व में अनेक आंदोलन हुए, क्रांतिकारियों ने ब्रिटिश साम्राज्य की नींव हिला दी, जनता ने इनका साथ दिया विदेश में आजाद हिन्द फौज के द्वारा सुभाष चंद्र बोस ने देशवासियों में अभूतपूर्व जोश दिलाया। सभी के प्रयास से देश 1947 में आजाद हुआ तथा भारत और पाकिस्तान में विभाजन हो गया। इस सभी का 1885 से 1947 तक इस पाठ्यक्रम में अध्ययन किया जायेगा।

**इकाई –1**

1. भारतीय राष्ट्रवाद की वैचारिक पृष्ठभूमि
2. कांग्रेस के पूर्व राजनीतिक संगठन
3. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना, स्थापना से संबंधित विभिन्न विचारधाराएं
4. कांग्रेस में उदारवाद – उग्रवाद संघर्ष

**इकाई –2**

5. स्वदेशी आंदोलन
6. क्रांतिकारी आंदोलन – प्रथम चरण – बंगाल,महाराष्ट्र,पंजाब
7. होमरूल आंदोलन
8. क्रांतिकारी आंदोलन – द्वितीय चरण – हिन्दुस्तान रिपब्लिक आर्मी, संयुक्त प्रांत एवं बंगाल

**इकाई –3**

9. गांधीवादी आंदोलन – असहयोग आंदोलन
10. गांधीवादी आंदोलन – सविनय अवज्ञा आंदोलन
11. गांधीवादी आंदोलन – व्यक्तिगत सत्याग्रह
12. गांधीवादी आंदोलन – भारत छोड़ो आंदोलन

**इकाई –4**

13. भारतीय राजनीति में वामपंथी विचारधारा
14. भारतीय राजनीति में साम्प्रदायवाद
15. कृषक, श्रमिक एवं जनजातीय आंदोलन
16. भारतीय रियासतों में स्वाधीनता आंदोलन

**इकाई –5**

17. प्रांतीय स्वायत्तता का क्रियान्वयन
18. राजनीतिक गतिरोध – 1940–45
19. सुभाष चंद्र बोस एवं आजाद हिन्द फौज
20. अंतरिम सरकार से स्वाधीनता आंदोलन तक भारत

15/5/25 15/05/25 15.05.25 15.05.2025

## अनुसंशित संदर्भ ग्रंथ सूचीः–

1.ताराचंद, भारतीय स्वाधीनता आंदोलन के इतिहास भाग 1 पर भाग 2 प्रकाशन विभाग सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार, 2017

2.सुमित सरकार, आधुनिक भारत, मैकमिलन इंडिया लिमिटेड, नई दिल्ली, 1960

3. पंडित सुंदरलाल शर्मा, भारत में अंग्रेजी राज , प्रकाशन विभाग सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली, 1938(स.स.2016)

4. आभा सक्सैना, इंडियन नेशनल मूवमेंट एंड द लिबरल्स, चुग पब्लिकेशन, इलाहाबाद, 1986

5.ए .आर. देसाई, भारतीय राष्ट्रवाद के सामाजिक पृष्ठभूमि, सेज पब्लिकेशंस, नई दिल्ली, 2018

6.शर्मा एवं शर्मा, भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन एवं राजनीतिक विकास, जेटीएस पब्लिकेशन, दिल्ली, 2019

7. कौलेश्वर राय, फ्रीडम स्ट्रगल, किताब महल , इलाहाबाद, 1972

8. विपिन चंद्र, भारती स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास, हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय दिल्ली विश्वविद्यालय

9. बिरकेश्वर प्रसाद सिंह, भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन एवं संवैधानिक विकास, ज्ञानंदा पब्लिकेशन, नई दिल्ली, 2016

10. राम लखन शुक्ला, आधुनिक भारत के इतिहास, हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, 2022

11. विनोद कुमार सक्सेना, द पार्टीशन ऑफ बंगाल, कनिष्का पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1987

12. के.पी. बहादुर, हिस्ट्री आफ फ्रीडम मूवमेंट इन इंडिया, एस . एस.पब्लिकेशन, नई दिल्ली 1986–89

13. योगेन्द्र श्रीवास्तव, हिस्ट्री ऑफ फ्रीडम मूवमेंट 1857–1947, अमर प्रकाशन, नई दिल्ली, 1988

14. यशपाल एवं ग्रोवर, आधुनिक भारत का इतिहास, एस. चंद पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 2018.

15. कौलेश्वर राय, आधुनिक भारत 1757–1950, किताब महल, इलाहाबाद, 2011.

16 लोकेश कुमार शरण, भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन में कालपानी की ऐतिहासिक भूमिका, सस्ता साहित्य मण्डल प्रकाशन, 2023.

15-05-25 15/5/25 15-05-2025

# एम.ए.अंतिम इतिहास, वार्षिकी पद्धति,सत्र 2025–26
## वैकल्पिक–2
## भारत का सांस्कृतिक इतिहास–प्रारंभ से 1950 ई.तक
## (पेपर कोड– M.A.HIS-020142), प्रोग्राम कोड– M.A.HIS-0201

## कार्यक्रम के परिणाम

इस पाठ्यक्रम द्वारा भारत की सांस्कृतिक इतिहास प्रारंभ से आधुनिक काल तक अध्ययन किया जा सकेगां। इसमें प्राचीनकाल, मध्यकाल एवं आधुनिक काल की सामाजिक एवं सांस्कृतिक दशा के साथ–साथ धर्म कला विज्ञान एवं साहित्य तथा भारत में यूरोपीय संस्कृति का प्रभाव को साथ–साथ धार्मिक सुधार आन्दोलन के साथ ही ब्रिटिश भारत में महिलाओं की स्थिति तथा शिक्षा का विकास की जानकारियॉ प्राप्त हो सकेगी।

**इकाई–1**

1. हड़प्पा कालीन संस्कृति
2. वैदिक कालीन संस्कृति
3. मौर्यकालीन संस्कृति
4. भारतीय संस्कृति में अशोक का योगदान

**इकाई–2**

5. भारतीय संस्कृति पर यूनानी, शक, कुषाण प्रभाव
6. गुप्तकालीन संस्कृति
7. राजपूत कालीन संस्कृति
8. पूर्व मध्यकालीन संस्कृति एवं ब्राम्हणवाद

**इकाई–3**

9. इण्डो–इस्लामिक संस्कृति
10. भक्ति आंदोलन
11. सूफीवाद
12. भारतीय संस्कृति में अकबर का योगदान

**इकाई–4**

13. यूरोपियों का भारत आगमन एवं भारतीय संस्कृति पर उनका प्रभाव
14. भारतीय संस्कृति एवं मिशनरियों का योगदान
15. भारतीय संस्कृति पर पश्चात्य प्रभाव
16. भारतीय संस्कृति के विकास में प्राच्यवाद की भूमिका

**इकाई–5**

17. राजाराम मोहनराय एवं समन्वयवादी आंदोलन,
18. आर्य समाज एवं थियोसोफिकल सोसायटी
19. मुस्लिम समाज सुधार और भारतीय संस्कृति
20. रामकृष्ण मिशन एवं स्वामी विवेकानंद
21. भारतीय संस्कृति एवं गॉधी जी

15.05.25 15/5/25 15-05-2025

## अनुसंशित संदर्भ ग्रंथ सूचीः–

(1) रामशरण शर्मा, प्राचीन भारत, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, लंदन, 2006.

(2) विमल चन्द्र पाण्डेय, प्राचीन भारत का राजनीतिक, सांस्कृतिक इतिहास, एस. चंद एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली, 2015.

(3) रोमिला थापर, अशोक तथा मौर्य साम्राज्य का पतन, क्लैरेडोन प्रेस, लंदन, 1961

(4) के.एन. शास्त्री, दक्षिण भारत का इतिहास, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस , लंदन, 1997.

(5) ए.एल. बाशम, अद्भुत भारत, पीकैडोर इंडिया, नई दिल्ली, 2019.

(6) भारद्वाज, मध्यकालीन भारतीय संस्कृति, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली, 2018

(7) जयनारायण पांडे, सिंधु सभ्यता, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2022

(8) के.सी. श्रीवास्तव, प्राचीन भारत का इतिहास तथा संस्कृति, यूनाइटेड बुक डेप्ट, इलाहाबाद, 2015.

(9) शिवशंकर शर्मा, भारतीय संस्कृति, शारदा पुस्तक भवन, प्रयागराज, 2023.

(10) नीरज श्रीवास्त, मध्यकालीन भारत–प्रशासन, समाज एवं संस्कृति, ओरिएंट ब्लैक्सवान, नई दिल्ली, 2010

(11) रामशरण शर्मा, प्रारंभिक भारत का परिचय, ओरिएंट ब्लैक्सवान, नई दिल्ली, 2004

(12) कृष्ण मोहन श्रीमाली, धर्म, समाज एवं संस्कृति, ग्रंथ शिल्पी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली 2005.

(13) रमेन्द्र नाथ नंदी, प्राचीन भारत में धर्म के सामाजिक आधार, ग्रंथ शिल्पी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली, 1998.

(14) राधाकुमुद मुखर्जी, हिन्दू सभ्यता, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2024

(15) बी.एन. लूणिया, प्राचीन भारतीय संस्कृति, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा, 2020.

(16) रवींद्र नाथ मुखर्जी, भारतीय समाज एवं संस्कृति, विवेक प्रकाशन, दिल्ली, 2006.

(17) एस के पारिख एवं ए. सी. दहीभाते, भारत के सामाजिक, आर्थिक संरचना एवं संस्कृति के तत्त्व, राम प्रसाद एंड संस, आगरा, 1993.

15/05/25 15.05.25 15/5/25 15-05-2025

## एम.ए.अंतिम इतिहास, वार्षिकी पद्धति,सत्र 2025–26
## वैकल्पिक–3
## पर्यटन सिद्धांत एवं व्यवहार, (इतिहास के संदर्भ में)
## (पेपर कोड– M.A.HIS-020143) प्रोग्राम कोड– M.A.HIS-0201

### कार्यक्रम के परिणाम

भारत एक आकर्षक देश है और यहॉ विभिन्न पर्यटन स्थल आकर्षण है। इसमें विभिन्न प्रकार के धर्म, संस्कृति, भाषा एवं ऐतिहासिक तथा प्राकृतिक स्थल आदि समाहित है। भारत की समृद्ध संस्कृति और परम्परा विश्व भर में प्रसिद्ध है। भारत में देश विदेश से पर्यटक आते है। भारत सरकार द्वारा पर्यटन के क्षेत्र में अनेक विकास योजनाएँ संचालित होती है। छत्तीसगढ़ राज्य भी पर्यटकों को आकर्षित करता रहा है। भारत के साथ ही छत्तीसगढ़ में अनेक प्रमुख ऐतिहासक, प्राकृतिक एवं धार्मिक पर्यटन स्थल है। पर्यटक को बढ़ावा देने के लिए केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा अनेक कार्य योजना शुरू की गई। इनका अध्ययन इस पाठ्यक्रम के माध्यम से किया जायेगा।

**इकाई–1**

1. पर्यटन का अर्थ, परिभाषा, उद्देश्य एवं महत्व
2. पर्यटन सिद्धांत एवं व्यवहार
3. भारतीय पर्यटन संगठन केन्द्रीय
4. प्रांतीय पर्यटन संगठन एवं विभाग

**इकाई–2**

5. ट्रेवल एजेंसी–गठन, कार्य
6. पर्यटन एवं यातायात
7. पर्यटन एवं आवास तथा होटल उद्योग
8. अंतराष्ट्रीय पर्यटन, पासपोर्ट, वीजा, सुविधाएं एवं समस्याएं

**इकाई–3**

9. पर्यटन एवं कला, संस्कृति, मेले, त्यौहार एवं हस्तकला, उद्योग
10. पर्यटन का इतिहास से संबंध
11. पर्यटन उद्योग, विपणन एवं पर्यटन
12. पर्यटन विकास के कारक

**इकाई–4**

13. पर्यटन में राष्ट्रीय उद्यानों का महत्व एवं भारत के प्रमुख राष्ट्रीय उद्यानो
14. छत्तीसगढ़ के प्रमुख राष्ट्रीय उद्यान एवं अभ्यारण
15. उत्तर, एवं दक्षिण भारत में प्रमुख ऐतिहासिक, प्राकृतिक एवं धार्मिक पर्यटन स्थल
16. पूर्व एवं पश्चिम भारत के प्रमुख ऐतिहासिक प्राकृतिक एवं धार्मिक पर्यटन स्थल

**इकाई –5**

17. छत्तीसगढ़ के प्रमुख ऐतिहासिक पर्यटन स्थल
18. छत्तीसगढ़ के प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थल
19. छत्तीसगढ़ के प्रमुख प्राकृतिक पर्यटन स्थल
20. छत्तीसगढ़ में पर्यटन की सुविधाएं एवं समस्याएँ।

### अनुसंशित संदर्भ ग्रंथ सूची–


1. नेगी जगमोहन, पर्यटन एवं यात्रा के सिद्धांत, तक्षशिला प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली, 2007.
2. नेगी जगमोहन, पर्यटन एवं मार्केटिंग तथा विकास, तक्षशिला प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली 2008.
3. नेगी जगमोहन, पर्यटन विकास की नई दिशाऐं, तक्षशिला प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली 2010.
4. नेगी जगमोहन, सम्पूर्ण भारत के सांस्कृतिक पर्यटन स्थल, तक्षशिला प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली 2015.
5. दीक्षित के.के., पर्यटन के विविध आयाम, तक्षशिला प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली, 2009.


15/05/25 15.05.25 15-05-2025

6. ताज राव, पर्यटन विकास के विविध आयाम, तक्षशिला प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली, 2002.
7. ताज राव, पर्यटन का प्रभाव एवं प्रबंधन, डिस्कवरी पब्लिकेशन, चेन्नई, 2011.
8. ए.के. भाटिया, टूरिज्म डेवलेपमेंट प्रिंसिपल एंड प्रैक्टिसेज, स्टर्लिंग पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा, 2020.
9. शुक्ला प्रदीप, पांडे सीमा, शुक्ला महेश, छत्तीसगढ़ में पर्यटन, वैभव प्रकाशन, रायपुर, 2008
10. वाजपेयी शिवाकांत, समग्र छत्तीसगढ़, छत्तीसगढ़ पुरातात्विक उत्खनन, छत्तीसगढ़ राज्य हिंदी ग्रंथ अकादमी, रायपुर, 2018
11. बंसल सुरेश चंद्र, पर्यटन सिद्धांत एवं यात्रा प्रबंधन, मीनाक्षी प्रकाशन, मेरठ, तीसरा संस्करण 2016–17
12. शर्मा देवेश, धार्मिक पर्यटन, मोहित बुक्स इंटरनेशनल, दरियागंज, नई दिल्ली, 2010
13. दस्माना मंगत राम, भारत में पर्यटन, अनुराग प्रकाशन, नई दिल्ली, 2010
14. गोयल आशीष, भारत में पर्यटन विकास, मोहित बुक्स इंटरनेशनल, दरियागंज, नई दिल्ली, 2010
15. गोयल आशीष, ऐतिहासिक पर्यटन, मोहित बुक्स इंटरनेशनल, दरियागंज, नई दिल्ली 2010
16. गुप्ता शिवसहाय, पर्यटन के सिद्धांत, मोहित बुक्स इंटरनेशनल, दरियागंज, नई दिल्ली 2010
17. पाण्डेय अनुपम, पर्यटन का स्वरूप, डिस्कवरी पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 2007
18. परिहार प्रकाश, पर्यटन नियोजन दिशा निर्देशिका, प्रतिभा प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009
19. सहाय शिवस्वरूप, भारत में पर्यटन एवं पर्यटन सिद्धांत, मोतीलाल, बनारसी दास, 2023

15/05/25 15.05.25 15/5/25 15.05.2025